भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2034

दिनांक 06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

असाध्य स्थानिक रोगों का उन्मूलन

2034. श्री जी. सेल्वम:

श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश में वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही प्रमुख स्वास्थ्य परियोजनाओं और विशेष कार्यक्रमों की सूची है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तमिलनाडु सहित देश में असाध्य स्थानिक रोगों के उन्मूलन के लिए किसी ऐसे क्षेत्र की पहचान की है जहां विशिष्ट कार्यक्रमों की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में अब तक किए गए कार्य की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) तमिलनाडु सहित देश के आकांक्षी जिलों में कार्यान्वित की जा रही उक्त परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा ग्रामीण और अल्पसेवित शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल संबंधी अवसंरचना में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है और उक्त परियोजनाओं में कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) : सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य का विषय है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके समग्र संसाधन के तहत उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) में प्रस्तुत आवश्यकताओं के आधार पर जिला अस्पतालों तक उनकी स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के रिकॉर्ड (आरओपी) के रूप में प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान करती है। सभी राज्यों/संघ राज्य

क्षेत्रों में शुरू की गई स्वास्थ्य परियोजनाओं, लागत, चिरकालिक स्थानिक बीमारियों के उन्मूलन के लिए विशिष्ट कार्यक्रम का पूरा विवरण उपलब्ध है और इसे <https://nhm.gov.in/index1.php?lang=1&level=1&sublinkid=1377&lid=744> लिंक से डाउनलोड किया जा सकता है।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) तमिलनाडु सहित उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जहां मलेरिया, कालाजार, जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया और लिम्फेटिक फाइलेरियासिस नामक छह वेक्टर जनित रोग (वीबीडी) स्थानिक हैं वहां उनकी रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक व्यापक कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) का संचालन करता है। भारत सरकार तमिलनाडु सहित पूरे भारत में खसरा और रूबेला उन्मूलन प्राप्त करने की दिशा में काम कर रही है। इन बीमारियों को खत्म करने के लिए, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 9 महीने और 16-24 महीने की उम्र के बच्चों को खसरा और रूबेला वैक्सीन की दो खुराक दी जाती है। एक राष्ट्रव्यापी खसरा और रूबेला टीकाकरण अभियान चलाया गया है, जिसमें 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों को एमआर वैक्सीन की एक अतिरिक्त खुराक दी गई।

इसके कार्यान्वयन, प्रगति और प्रदर्शन का नियमित रूप से समीक्षा बैठकों, क्षेत्र दौरों और राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी), सामान्य समीक्षा मिशन (सीआरएम), स्वास्थ्य निगरानी सूचना प्रणाली (एचएमआईएस), प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) पोर्टल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) पोर्टल, गैर संचारी रोग (एनसीडी) पोर्टल द्वारा वार्षिक कार्यक्रम नियोजन और समीक्षा के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है।

(घ) और (ड.) : आकांक्षी जिलों में स्वास्थ्य और पोषण क्षेत्र से प्रमुख प्रदर्शन संकेतक के रूप में कुल 13 मुख्य संकेतकों और 31 उप-संकेतकों की पहचान की गई है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय आकांक्षी जिलों में सुधारात्मक बदलाव लाने के लिए एक अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य योजना लेकर आया है। भारत सरकार ने भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों (आईपीएचएस), आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई), निःशुल्क दवा सेवा पहल, निःशुल्क निदान सेवा पहल, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, 15वें वित्त आयोग अनुदान, भारत कोविड-19 आपातकालीन अनुक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज (ईसीआरपी-I और II पैकेज), राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस), आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य मिशन, ई-संजीवनी टेली-परामर्श सेवाओं के माध्यम से देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की पहल की है।